हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 189 देहरादून, सोमवार, 16 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने किया शौर्य स्थल का उद्घाटन

3

उत्तराखंड सरकार विकास योजनाओं की लंबी श्रंखला बना रही : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून / बागेश्वर , 16 जनवरी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। सौर ऊर्जा के सही उपयोग एवं इसे बढ़ावा देने हेतु जल्द ही राज्य में सौर ऊर्जा नीति लाई जाएगी। जिस परियोजना में सबसिडी भी प्रदान की जाएगी। इससे प्रदेश के हजारों युवाओं को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा बागेश्वर को रेलवे के मानचित्र में जोड़ने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर तेजी से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से बागेश्वर में उत्तरायणी मेला-2023 के शुभारम्भ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने बागेश्वर जिले हेतु बालीघाट - धरमघर सड़क का जीर्णोद्धार किए जाने , गोलू मार्केट गरुड़ का विनियमितीकरण किए जाने एवं बागेश्वर में खेल मैदान निर्माण कार्य किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि के लोकपर्व उत्तरायणी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुमाऊँ की काशी, बागेश्वर में बाबा बागनाथ के मंदिर की छांव तले, सरयू गोमती और अदृश्य सरस्वती नदी के संगम तट पर आयोजित होने वाले उत्तरायणी मेले की भी आप सभी को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा मकर संक्रांति एकमात्र पर्व है, जिसका आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से व्यापक महत्व है। हम सभी मकर संक्रांति को सूर्य के उत्तरायण होने के साथ-साथ भीष्म पितामाह के देह त्याग के दिन के रूप में भी जानते हैं। संक्रान्ति का अर्थ है परिवर्तन। इस दिन सूर्य भगवान धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इसे पुण्यकाल और संक्रमण काल के रूप में स्वीकार किया जाता है। मकर संक्राति के पावन अवसर पर पतित-पावनी सरयू नदी खासकर त्रिमाधी स्नान के साथ पौराणिक बागनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना का पौराणिक काल से ही विशेष धार्मिक महत्व रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्र की सांस्कृतिक विविधता को समाहित करने वाला यह सांस्कृतिक आयोजन, हम सभी को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के संकल्प की भी याद दिलाता है। इस तरह के सांस्कृतिक मेले हमारी विलुप्त होती लोक विरासत को संरक्षण प्रदान कर रहा है और आने वाली पीढ़ी को हमारी लोक संस्कृति से परिचित कराने का कार्य कर रहा है। राष्ट्र और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से जानने का अवसर प्रदान करने वाला यह सांस्कृतिक मेला, निश्चित रूप से हमारी आगामी पीढ़ी के लिए सामाजिक समरसता को प्रगाढ़ करने का कार्य करेगा। ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से हमारे राज्य के कलाकारों को भी एक मंच प्राप्त होता है और उनकी कला को प्रोत्साहन मिलता है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज उत्तराखंड का ही नहीं बल्कि पूरे देश का भी सांस्कृतिक वैभव बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड की डबल इंजन की सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास को सार्थक करने हेतु प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का विकल्प रहित संकल्प लिया है। इस संकल्प की पूर्ति हेतु हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में विकास कार्यों की एक नई श्रृंखला स्थापित करने का कार्य किया है, जिसमे बागेश्वर जिला भी शामिल है। राज्य सरकार के सर्वश्रेष्ठ उत्तराखण्ड के निर्माण के संकल्प को पूरा करने में जनता से अपने दायित्वों के निर्वहन की अपेक्षा करता हूँ। सरकार के इस पावन पुनीत लक्ष्य को पूरा करने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे और उत्तराखंड को देश का नंबर वन राज्य बनाएंगे।

इससे पूर्व उत्तरायणी मेला-2023 में तहसील परिसर से विभिन्न विद्यालयों के बच्चों तथा विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक झांकी का प्रदर्शन किया गया। उत्तरायणी मेला-2023 में विधानसभा बागेश्वर के अंतर्गत 1085.17 लाख की 12 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। 247.24 लाख की 03 योजनाओं का शिलान्यास तथा 837.93 लाख की 09 योजनाओं का लोकार्पण शामिल रहा। जिसमे लोनिवि विभाग द्वारा 86.61 लाख से बागेश्वर-जौलकाण्डे मोटर मार्ग में पी0सी0 का कार्य, 73.16 लाख की धनराशि से विकास खंड गरूड अंतर्गत कौसानी-भतडिया मोटर मार्ग के किमी. 01 से किमी. 04 तक पी0सी0 द्वारा सुधारीकरण कार्य तथा 87.5 लाख की धनराशि से विकासखंड गरूड अंतर्गत कन्धार-रौल्यान-मजकोट मोटर मार्ग के किमी. 08 से किमी. 11 तक पी0सी0 द्वारा सतह सुधारीकरण कार्यों का शिलान्यास किया गया। पी.एम.जी.एस.वाई विभाग की 278.41 लाख धनराशि से कन्धान-रौल्याना मोटर मार्ग किमी. 01 से सिमखेत मोटर मार्ग के किमी. 02 से 42 मीटर स्पान स्टील गार्डर सेतु, शिक्षा विभाग अंतर्गत 133.14 लाख से राइंका असौ में विज्ञान प्रयोगशाला, आर्ट-क्राफ्ट रूम, कम्प्यूटर कक्ष, पुस्तकालय कक्ष एवं दो कक्षा-कक्ष तथा बालक-बालिका शौचालय का निर्माण, 40.20 लाख से राइंका भटखोला में भौतिक/रसायन/जीवन विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य, 41.70 लाख से राबाइंका बागेश्वर में भौतिक/रसायन/जीवन विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य, 40.75 लाख से राइंका रवाईखाल में भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य तथा 69.18 लाख की धनराशि से राइंका अमस्यारी में भौतिक विज्ञान/रसायन विज्ञान/जीवन विज्ञान प्रयोगशालाओं एवं दो बालिका शौचालय निर्माण कार्य आदि है। वहीं लघु डाल विभाग अंतर्गत 55.22 लाख की मन्यूडा-गागरीगोल लिफ्ट सिंचाई योजना व 80.00 लाख की बिलौना लिफ्ट सिंचाई योजना तथा सिंचाई विभाग के अंतर्गात 99.33 लाख से अग्निकुण्ड में सरयू नदी के दाये पाश्र्व पर हनुमान मंदिर के समीप घाट निर्माण कार्य का लोकार्पण शामिल रहा। इस अवसर पर सांसद अजय टम्टा, प्रदेश प्रभारी भाजपा दुष्यंत गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव, विधायक सुरेश गढ़िया, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, ब्लॉक प्रमुख हेमा बिष्ट, पुष्पा देवी, गोविंद दानू, जिला अधिकारी अनुराधा पाल, पुलिस अधीक्षक हिमांशु वर्मा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

विशेषज्ञों के रिपोर्ट आने तक जोशीमठ के पूर्वानुमान गैरजरूरी, छवि को नुकसान :भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 16 जनवरी , भाजपा ने जोशीमठ के अस्तित्व को लेकर सभी राजनैतिक दलों एवं सामाजिक पक्षों से देश की शीर्ष विशेषज्ञ एजेंसियों की फाइनल रिपोर्ट आने तक पूर्वानुमान और नकारात्मक टिप्पणियों से बचने को कहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि स्थानीय लोगों की समस्याओं व जोशीमठ शहर में भूधसांव के स्थायी समाधान को लेकर हम सभी प्रतिबद्ध है, लिहाज़ा जोशीमठ के अस्तित्व पर संकट जैसी गैरजरूरी चर्चा पर्यटन प्रदेश की छवि को नुकसानदायक साबित होगी ।

भट्ट ने कहा कि जब से जोशीमठ में भूधसांव की आपदा सामने आयी है तब से पीएम मोदी की निगरानी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रशासनिक तंत्र दो मोर्चों पर युद्ध स्तर पर जुटा है । सबसे पहले प्राथमिकता से प्रभावित परिवारों को राहत व मदद पहुंचाने के लिए दैनिक जरूरतों व अग्रिम 1.5 लाख की मदद की व्यवस्था की गयी व बाज़ार मूल्यों पर मुजवाज़े का ऐलान भी सरकार ने किया है । वहीं दूसरे और अहम मोर्चे पर देश की शीर्ष विशेषज्ञ एजेंसियां का समूह जैसे सीबीआरआई रुड़की, जीएसआई कोलकाता, एनआरएसी-इसरो हैदराबाद, सीजीडब्ल्यूबी नई दिल्ली, सर्वेयर जनरल ऑफ इंडिया, एसओआई, देहरादून, आईआईआरएस, देहरादून, एनजीआरआई हैदराबाद, एनआईएच, रुड़की, डब्ल्यूआईएचजी, देहरादून, आईआईटी रुड़की, ईडी, एनआईडीएम, नई दिल्ली लगातार प्रभावित क्षेत्रों में गहन सर्वेक्षण कर रही हैं। भट्ट ने अफसोस जताते हुए कहा कि वर्तमान में शहर का लगभग एक चौथाई हिस्सा भूधसांव से प्रभावित है और छवि यह बनाई जारही कि जोशीमठ का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है । सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर अनुमान आधारित नकारात्मक जानकारियों को चर्चा में लाना प्रदेश के पर्यटन व्यवसाय के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है । इस तरह की जानकारी साझा करने से न सिर्फ प्रभावित लोगों, बल्कि देश भर के नागरिकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है जिसके दूरगामी परिणाम देवभूमि की छवि पर पड़ सकते हैं । भट्ट ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि जैसे ही सभी एजेंसियों की सयुंक्त रिपोर्ट का अंतिम निष्कर्ष सामने आएगा सरकार बिना समय गंवाएं, स्थायी समाधान के काम मे जुट जाएगी । लिहाज़ा सभी लोगों से विशेषकर राजनैतिक पार्टियों से आग्रह है कि प्रभावितों की मदद को आगे आएं लेकिन अपनी प्रतिक्रियाओं में भय दिखाकर, पहाड़ों में भ्रमण को लेकर आम लोगों में खौफ न फैलाएं ।

'मैडम' नहीं सिर्फ टीचर बोलो, स्कूलों में नया नियम ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , केरल बाल अधिकार पैनल ने राज्य के सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे स्कूल के शिक्षकों को 'सर' या 'मैडम' के बजाय 'टीचर' कहकर संबोधित करें। पैनल की ओर से यह कदम लैंगिक समानता को सुनिश्चित करने के साथ छात्रों के बीच अधिक लैंगिक तटस्थता यानी जेंडर न्यूट्रलिटी को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।केएससीपीसीआर यानी केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से राज्य के सभी स्कूलों को निर्देश जारी किए गए है कि वे स्कूल के शिक्षकों को 'सर' या 'मैडम' के बजाय 'टीचर' कहकर संबोधित करें। पैनल की ओर से यह कदम लैंगिक समानता सुनिश्चित करने और छात्रों के बीच ज्यादा जेंडर न्यूट्रलिटी यानी लैंगिक

तटस्थता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैनल के अध्यक्ष केवी मनोज कुमार और सदस्य सी विजयकुमार की एक पीठ ने बुधवार को सामान्य शिक्षा विभाग को राज्य के सभी स्कूलों में 'टीचर' शब्द का उपयोग करने के निर्देश देने का निर्देश दिया है।

पैनल का कहना है कि सम्मानसूचक शब्द 'सर' या 'मैडम' टीचर की अवधारणा से मेल नहीं खाते। इसके अलावा, बाल अधिकार पैनल ने यह भी कहा कि इससे छात्रों का अपने शिक्षक के प्रति लगाव बढ़ेगा और यह सुनिश्चित होगा कि उन्हें लिंग-तटस्थ तरीके से सम्मान के साथ संबोधित किया जा रहा है।संबंधित खबरेंएएनआई के अनुसार KSCPCR ने कहा कि सर या मैडम के बजाय 'टीचर' बुलाने से सभी स्कूलों के बच्चों के बीच समानता बनाए रखने में भी खासी मदद मिल सकती है और टीचर के प्रति उनका लगाव भी बढ़ेगा। प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए केएससीपीसीआर ने सामान्य शिक्षा विभाग के निदेशक को दो महीने के अंदर इस बारे में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया है। शिक्षकों को उनके लिंग के अनुसार 'सर' और 'मैडम' संबोधित करते हुए भेदभाव को समाप्त करने की मांग करने वाले एक व्यक्ति की ओर से दायर याचिका पर विचार करते हुए यह निर्देश दिया गया था।

हार्ट अटैक कब, कैसे, क्यों होता है ? पढ़िए पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी मानव हृदय या हार्ट शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। अगर आपको या आपके परिवार में से किसी को भी हृदय रोग है तो उसके मन में हमेशा एक अलग तरह का डर बैठा हुआ रहता है। हार्ट शरीर का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा है की अगर यह कुछ सेकंडों के लिए धड़कना बंद कर दे तो इंसान के प्राण पखेरू हो जाता है। सबसे पहले तो यह समझना जरुरी है कि आखिर उस इंसान को सच में हार्ट फेलियर होने का जोखिम है। आप कुछ संकेत और लक्षण के जरिए यह समझ सकते हैं की सामने वालों को सच में हार्ट फेलियर होने का खतरा है। हार्ट फेलियर हमेशा कमजोर हृदय वाले लोगों को होता है या फिर अचानक से कुछ ऐसा हो जाने से जिससे आपकी धड़कन की गति नियंत्रण से बाहर चली जाती है। ऐसी स्थिति में एक या एक से अधिक रक्त वाहिकाएं सही से काम नहीं करती जिस कारण शरीर के उस हिस्से में रक्त का संचालन सही से नहीं होता ऐसे में मौत का भी खतरा होता है। पहले यह समझना जरुरी है की कितने प्रकार के हार्ट फेलियर होते हैं और हार्ट फेलियर के पांच बड़े लक्षण जिसके बारे में जानना बहुत ज़रूरी है। हार्ट फेलियर के प्रकार ऐसे तो बहुत प्रकार के हार्ट फेलियर होते हैं पर मूल रूप से दो ही सबसे बड़े गैरत फेलियर होते हैं। लेफ्ट साइडेड हार्ट फेलियर और राइट साइडेड हार्ट फेलियर। इसमें आपके दिल का निचला बायां हिस्सा बड़ा हो जाता है जिस कारण से आपके शरीर के बाकि हिस्सों में ऑक्सीजन युक्त रक्त सही मात्रा में नहीं पहुँच पति और जान जाने का खतरा होता है। हार्ट फेलियर का दूसरा महत्वपूर्ण प्रकार है राइट साइडेड हार्ट फेलियर। मूल रूप से राइट साइडेड हार्ट फेलियर का प्रमुख कारण है लेफ्ट साइडेड हार्ट फेलियर। इस प्रकार के भी हार्ट फेलियर में आपका हृदय सही से बाकि शरीर को ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं पहुंचा पता। फेफड़ों में दिक्कत या फिर शरीर के अंदरूनी हिस्सों में कोई भी दिक्कत इस प्रकार के हार्ट फेलियर का कारण हो सकता है।

हार्ट फेलियर के पांच बड़े लक्षण

जकड़न जकड़न हार्ट फेलियर का सबसे बड़ा लक्षण है। हार्ट फेलियर के कारण आपके फेफड़ों में तरल पदार्थ बन सकता है। जिस कारण इंसान को साँस लेने में दिक्कत, खासी और सांस लेने में दिक्कत हो सकता है। टखनों और जांघो में हो सकती है सूजन जब हृदय सही से शरीर के बाकि हिस्सों में रक्त नहीं पम्प कर पता तो शरीर के निचले हिस्सों से प्रयोग किया हुआ खून वापस लेने में भी दिक्कत होता है। जिस कारण पैरों, टखनों, पेट और जांघों में तरल पदार्थ जमा हो जाता है, और शरीर के इन सब भागों में सूजन हो जाता है। सांसों का छोटा हो जाना सांसों का छोटा हो जाना भी हार्ट फेलियर का एक बहुत बड़ा लक्षण है। जब आपको हार्ट फेलियर का अनुभव होगा तब दिल की धड़कन बढ़ जाएगी जिस कारण आपको भरपूर साँस लेना में दिक्कत हो सकता है।

व्यायाम करने में कम सक्षम होना हृदय रोग वाले ऐसे भी व्यायाम करने में आम इंसान मुताबिक कम सक्षम होते है। वह थोड़ा व्यायाम करने के बाद भी बहुत जायदा थकान का अनुभव करते है। रोजाना के काम को पूरा करने में कठिनाई जिस इंसान के हार्ट फेलियर के चान्सेस होते है वह अपने रोज़ाना के काम को पूरा करने में भी सक्षम नहीं रहते। उन्हें अपने रोज़ाना के काम को पूरा करने में भी कठिनाई का सामना करता पड़ता है।

अब 'आंखें' दिखाकर बैंक से निकाल सकेंगे पैसा, जानिए नया नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , बैंक फ्रॉड और टैक्स चोरी को रोकने एवं कम करने के लिए भारत सरकार ने देश के बैंकों में फेस रिकॉग्निशन और आइरिस स्कैन का यूज करने को कहा है. रॉयटर की रिपोर्ट के अनुसार पर्सनल ट्रांजेक्शन की सालाना लिमिट खत्म होने के बाद ट्रांजेक्शन के लिए फे रिकॉग्निशन और आइरिस स्कैन का यूज किया जा सकता है. फाइनेंस मिनिस्ट्री ने सभी बैंकों से UIDAI के एक लेकर सुझाव दिया गया था कि ट्रांजेक्शन करने से पहले व्यक्ति का वेरिफिकेशन फेस रिकॉग्निशनफेस और आइरिस स्कैन के थ्रू किया जाना चाहिए.

अब आप आने वाले दिनों में 'आंखें' दिखाकर बैंकों से पैसा निकाल सकते हैं. रुकिये यहां आप आखें दिखाने का गलत मतलब ना निकालियेगा. यहां पर एक नियम की बात होने जा रही है, और वो है आइरिस स्कैन. जी हां, बैंक जल्द ही कुछ ट्रांजेक्शंस में अकाउंट होल्डर का Iris Scan या फिर Face Recognition के साथ पैसा दे सकते हैं. जब तक दोनों में से किसी एक में अकाउंट होल्डर वेरिफाई नहीं होगा. बैंक ट्रांजेक्शन नहीं करेगा. रॉयटर्स की रिपोर्ट के सौजन्य से खबर है कि देश के कुछ बड़े बैंकों की ओर से यह काम शुरू भी कर दिया गया है।

Bank Iris Scan क्या आ सकता है नियम

वास्तव में बैंक फ्रॉड और टैक्स चोरी को रोकने एवं कम करने के लिए भारत सरकार ने

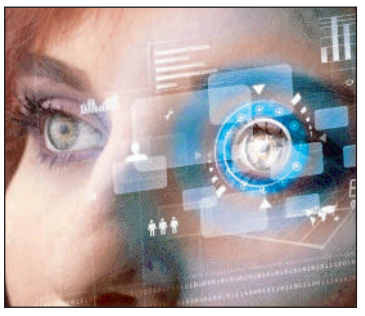

देश के बैंकों में फेस रिकॉग्निशन और आइरिस स्कैन का यूज करने को कहा है. रॉयटर की रिपोर्ट के अनुसार पर्सनल ट्रांजेक्शन की सालाना लिमिट खत्म होने के बाद ट्रांजेक्शन के लिए फे रिकॉग्निशन और आइरिस स्कैन का यूज किया जा सकता है. रॉयटर्स की रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है कि कुछ प्राइवेट और सरकारी बैंकों की ओर से इस ऑप्शन का यूज करना शुरू भी कर दिया है. लेकिन बैंकों का नाम उजागर नहीं किया गया है. रिपोर्ट के अनुसार वेरिफिकेशन के लिए फेस रिकॉग्निशन आइरिस स्कैन का यूज अनिवार्य तो नहीं है, लेकिन ये उन केसों में जरूर यूज हो रहा है, जिनमें टैक्स पर्पज में सरकारी पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड नंबर बैंकों के साथ शेयर नहीं किए गए हैं.

कितनी रकम पर हो सकती हैं आंखें स्कैन

मीडिया के बड़े प्लेटफॉर्म पर छपी इस खबर में रिपोर्ट में नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर सरकारी अधिकारियों ने बताया कि आंखों का स्कैन और फेस रिकॉग्निशन का यूज एक फाइनेंशियल ईयर में 20 लाख रुपये (USD 24,478.61) से ज्यादा के डिपॉजिट और विदड्रॉल करने वाले लोगों को वेरिफाई करने के लिए किया जा सकता है. इसका कारण है कि ऐसे केसों में लोगों से बैंकों द्वारा आधार कार्ड मांगा जाता है. आधार कार्ड में व्यक्ति की उंगलियों के निशान, चेहरे और आंखों के स्कैन से जुड़ा एक यूनीक नंबर होता है.

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया शौर्य स्थल का उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जनवरी , शौर्य स्थल का उद्घाटन केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चीड़बाग, देहरादून स्थित शौर्य स्थल का उद्घाटन किया। केन्द्रीय रक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने शौर्य स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर उत्तराखण्ड के वीरगति प्राप्त योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य स्थल का अवलोकन किया एवं शहीदों के परिजनों से मुलाकात भी की।सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, जनरल अनिल चौहान सीडीएस , सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, पूर्व राज्यसभा सांसद तरूण विजय एवं मेजर जनरल संजीव खत्री ने भी उत्तराखंड के वीरगति प्राप्त योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी।

जल्द होगा पीलीभीत से खटीमा बाईपास निर्माण : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खटीमा , 16 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने निजी आवास नगला तराई में जन समस्याएं सुनी। मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं के त्वरित गति से निस्तारण हेतु महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश उच्चाधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा क्षेत्र के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए कहा कि खटीमा बायपास बन जाने से शहर में लगने वाले जान से राहत मिली है, वहीं यातायात सरल, सुगम भी हुआ है। सीएम धामी ने कहा कि शीघ्र ही पीलीभीत मार्ग से खटीमा बाईपास का निर्माण भी कराया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने सभी व्यक्तियों से आह्वान करते हुए कहा कि राज्य के चहुंमुखी विकास में अपने अपने स्तर से पूर्ण सहयोग प्रदान करें ताकि राज्य और अधिक तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

माफियाओं के मन से कानून का भय समाप्त
नेता विपक्ष यशपाल आर्य का हमला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जनवरी , उत्तराखण्ड सरकार यदि समय रहते अपने संबैधानिक कर्तब्यों का निर्वहन करते हुए कठोर नकल विरोधी कानून ले आती तो एक बार फिर राज्य के लाखों बेरोजगार युवाओं को परीक्षाओँ के स्थगित होने का दंश नही झेलना पड़ता। राज्य में पिछले कुछ महीनों में घटित नकल सहित कई घटनाओं ने सिद्ध कर दिया है कि, अनुभवहीन , अपरिपक्व और हमेशा अनिर्णय की स्थिति में रहने वाली ऐसी सरकार को अब सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। इसलिए सरकार को अबिलम्ब नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। ये मांग की है प्रदेश के दिग्गज लीडर और नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, प्रत्यक्ष घटनाएं सिद्ध करती हैं कि, ₹ राज्य में नकल सहित अन्य माफियाओं के मन से कानून का भय समाप्त हो गया है। पिछली बार नकल में पकड़े गए आरोपियों में से अधिकांश जमानत पर बाहर हैं। इन इन नकल माफियाओं पर गैंगेस्टर जैसी कठोर धाराएं भी देर में लगाई गई। लचर पैरवी के कारण ब्लूटूथ से नकल कर रहे अभियुक्त न्यायालय से अपनी बहाली का निर्णय लेने में सफल रहे।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि , 22 जुलाई को यूकेएसएसएससी परीक्षा में गड़बड़ी पकड़ी गई थी। उस समय से अभी तक 6 महीने बीत गए हैं और विधानसभा का एक सत्र आहूत हुआ है। विपक्ष और बेरोजगार संगठनों ने राजस्थान के तर्ज पर कठोर नकल विरोधी कानून लाने की मांग की पर सरकार के कानों पर जूं नही रेंगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, एक तरफ सरकार ने हाल का विधानसभा सत्र दो दिन में यह कहते हुए स्थगित कर दिया कि , सरकार के पास विधायी कार्य नही हैं दूसरी ओर नकल विरोधी कानून जैसे दर्जनों महत्वपूर्ण कानून बन कर पास होने की बाट जोह रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, प्रचंड बहुमत के बाद भी पिछले 7 महीनों में हुई आधे दर्जन से अधिक नकल की घटनाओं के होने या उनकी पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा नकल विरोधी कानून पास न कराना सिद्ध करता है कि , ₹सरकार राज्य के लोगों के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रही है। इसलिए उसे अब एक दिन भी सरकार में रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

उन्होंने कहा कि समय रहते कठोर नकल विरोधी कानून न लाने के नतीजे सामने हैं यूकेएसएसएससी के बाद राज्य की लोक सेवा आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के दामन पर भी दाग लग गए हैं।

उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि, पटवारी परीक्षा के पेपर लीक का मुख्य आरोपी पिछले कई सालों से लोक सेवा आयोग के गोपनीय अनुभाग में कार्यरत है । इसलिए बेरोजगारों के आरोपों में पूरा दम है कि राज्य में कुछ सालों से पीसीएस जैसी शीर्ष परीक्षा भी नकल रहित नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि अगर ये सच हुआ तो नकल माफिया का प्रवेश राज्य के हर विभाग में हो गया है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , विशेष लोगों के हितों को साधने वाले कई कानूनों को अध्यादेशों के द्वारा लाने वाली इस प्रचंड बहुमत की सरकार के पास नकल विरोधी कानून को महामहिम राज्यपाल के अध्यादेश द्वारा भी लाने का विकल्प उपलब्ध था परंतु सरकार ने उस संवैधानिक उपाय का प्रयोग भी समय रहते नकल विरोधी कानून लाने के लिए नहीं किया। इससे सिद्ध होता है कि , अनुभवहीन लोगों द्वारा चलाई जा रही अनिर्णय की सरकार है।

उत्तराखंड की शांति समृद्धि के लिए मुख्यमंत्री ने की गंगा आरती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टनकपुर , 16 जनवरी , हे गंगा मैया हमारे राज्य को सुरक्षित रखो , हे माँ गंगे शांति और खुशहाली का वरदान दो , हाथों में आरती और दिल में यही भावना लेकर सीएम धामी ने शारदा घाट पर पूजा आराधना की। चम्पावत जिले के भ्रमण पर पंहुचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज शाम टनकपुर शारदा घाट को हरिद्वार के हर की पौड़ी की तर्ज पर विकसित करने के क्रम में संध्या कालीन आरती का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां शारदा की नियमित आरती से जिले को धार्मिक पर्यटन में काफी प्रसिद्धि मिलेगी। उन्होंने कहा कि शारदा मैया की पावन भूमि पर मकर संक्रांति, उत्तरायणी जैसे अनेकों नामों से जाने जाने वाले इस पर्व को मनाया जा रहा है। आप सभी को मकर सक्रांति की बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आज के दिन से धीरे-धीरे प्रकाश बढ़ने लगता है, रुके हुए काम प्रारंभ हो जाते हैं, ये दिन भीष्म पितामह भीष्म को भी स्मरण करने का दिन जिन्होंने अपने प्राण सूर्य के उत्तरायण आने पर त्यागे। हमने तय किया है कि बागेश्वर, देवप्रयाग, टनकपुर, हरिद्वार अनेक स्थानों पर यह पर्व मनाया जाय। हमारा प्रयास है हमारे लोकप्रिय त्योहार, लोक संस्कृति जो हमारे पूर्वज जिन मान्यताओं के साथ लगातार मनाते आए हैं वैसे ही हमारी आगे की पीढ़ी भी संस्कृति को लगातार आगे बढ़ाए और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे हस्तांतरित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी नदियों की सफाई के लिए निर्मल गंगा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके माध्यम से गंगा जी और गंगा जी की जितनी भी सहायक नदियां हैं उन सभी सहायक नदियों

को स्वच्छ बनाने का काम इस अभियान के तहत किया जा रहा है। आज शुभ दिन है और विधिवत रूप से यहां शारदा मां की आरती कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मां पूर्णागिरि मैया का मेला लगता है यहां पूरे देशभर से श्रद्धालु आते हैं और पूर्णागिरी के दर्शन करते हैं। वे सभी श्रद्धालु लोग मां पूर्णागिरि मैया के दर्शन करें और साथ ही मां बाराही, गोरखनाथ, हिंगला देवी आदि, के भी दर्शन करें और श्यामलाताल जैसे पर्यटन स्थलों तक पंहुचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत को आदर्श जिला बनाने की ओर हम लगातार कार्य कर रहे हैं। हमे ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जो अपने देश के लिए समर्पित होकर कार्य करें और आशा करता हूं की आप सभी इसके लिए तैयार है। यह जनपद उत्तराखंड का आदर्श जनपद होगा। उन्होंने कहा वर्ष 2023 को मिलेट वर्ष के रूप में घोषित किया गया। राज्य सरकार द्वारा भारत सरकार से अनुरोध किया था कि मंडवा को भारत सरकार के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में सम्मिलित किया जाए। मडूवे को भी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में शामिल कर लिया है। जिससे हमारे सभी किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा ताकि वो और उन्नत तरीके से खेती के लिए प्रेरित हो।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा शारदा नदी के दाएं पार्श्व पर घसियारामण्डी बस्ती में शारदा नदी के किनारे 607.48लाख की लागत के आपदा न्यूनीकरण मद के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उत्तराखंड वन विकास निगम कैलाश चन्द्र गहतोड़ी, अध्यक्ष नगर पालिका टनकपुर विपिन कुमार, जिलाधिकारी नरेन्द्र सिंह भंडारी सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव के पहले वरुण गांधी थामेंगे कांग्रेस का दामन?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , गांधी परिवार क्या एक बार फिर एकजुट होने जा रहा है। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारे तक यह सवाल अब ट्रेंड में है। लोकसभा चुनाव 2024 नजदीक आने के साथ ही वरुण गांधी के बीजेपी छोड़ने की अटकलें भी तेज हो रही हैं। वरुण गांधी पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं। वरुण 2004 में पहली बार 24 साल की उम्र में बीजेपी में शामिल हुए थे और सांसद चुने गए थे। काफी दिनों से वरुण गांधी बीजेपी सरकार पर लगातार हमलावर हैं और जनहित के मसलों पर मोदी सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं चूकते हैं।

दो साल से वरुण गांधी अपनी की पार्टी को कटघरे में कर रहे खड़ा

कांग्रेस के फॉयरब्रांड लीडर रहे संजय गांधी के सुपुत्र वरुण गांधी की राजनीतिक पारी बीजेपी से शुरू हुई थी। बीजेपी में रहते हुए वह भी एक मुखर हिंदूवादी नेता की छवि को बनाए हुए थे। अपने विवादित स्पीच की वजह से सुर्खियों में रहे वरुण गांधी, इन दिनों बीजेपी से नाराज चल रहे हैं। नाराजगी का आलम यह कि बीते दो साल में वह भारतीय जनता पार्टी सरकार की आलोचना करने वाले सबसे बड़े नेता हैं। सुब्रमण्यम स्वामी और वरुण गांधी लगातार बीजेपी की केंद्र सरकार पर हमलावर हैं।

अब कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें तेज

बीजेपी से नाराज चल रहे वरुण गांधी को लेकर अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अपने चचेरे भाई राहुल गांधी का साथ देने के लिए कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। माना जा रहा है कि वरुण गांधी और उनकी मां मेनका गांधी कांग्रेस में शामिल हो सकती हैं। मेनका गांधी, कई दफा केंद्रीय मंत्री रह चुकी हैं। दरअसल, वरुण गांधी और मेनका गांधी के कांग्रेस में शामिल होने के पीछे कई तर्क दिए जा रहे हैं। पहली वजह यह कि वरुण गांधी को पूरी तरह से पार्टी से साइडलाइन कर दिया गया है। बीजेपी शीर्ष नेतृत्व ने पिछले दिनों मां-पुत्र दोनों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी से हटा दिया था। अन्य सभी जिम्मेदारियां भी उनसे छीन ली गई। पार्टी से दरकिनार किए जा चुके वरुण गांधी को 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं देने की चर्चा भी शुरू हो चुकी है। यह सभी आशंकाएं उनको बीजेपी से दूर और कांग्रेस के नजदीक कर रही है।

बेरोजगार और आपदा पीड़ित नही, बल्कि कांग्रेस मायूस हैः मनवीर चौहान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 16 जनवरी , भाजपा ने कहा कि जोशीमठ आपदा पीड़ितों और नकल मामले मे युवाओं के नाम पर राजनीति कर रही कांग्रेस हताश और निराश है। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि धामी सरकार ने कैबिनेट बैठक मे पीड़ितों के राहत के लिए बेहतर कदम उठाये है और भविष्य मे जो भी बेहतर होगा अन्य कदम उठाये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी खुद राहत कार्यो की मॉनिटरिंग कर रहे है। उन्होंने कहा कि पहले पीड़ितों को मुआवजे की मांग कर हल्ला मचाने वाली कांग्रेस तब बैक फुट पर आ गयी जब सरकार ने कैबिनेट मे प्रभावितों को बाजार रेट पर मुआवजा देने का निर्णय लिया। पीड़ितों को एडवांस मे भी धनराशि मुहैया कराई जा रही है। किराये के मकान के लिए 5 हजार प्रतिमाह दिये जाने का निर्णय लिया गया । इसके अलावा उनको एक साल तक बैंक ऋण तथा अन्य भुगतान मे भी राहत दी जा रही है। कांग्रेस अपनी जवाबदेही से बचने के लिए शोर मचाना चाहती है, लेकिन जोशीमठ को लेकर दशकों से आये सर्वे रिपोर्ट पर उसने क्या किया उसका जवाब नही सूझ रहा है।

चौहान ने कहा कि पटवारी भर्ती मे नकल माफिया के गिरफ्त मे आने से युवाओं मे पारदर्शिता की उम्मीद जगी है और वह मायूस नही उत्साहित है। सरकार नकल पर अंकुश लगाने के लिए कड़ा कानून ला रही है। उन्होंने कहा कि अब अपराधों को दबाने की कोशिस नही, बल्कि समय पर कार्यवाही

की जाती है। कांग्रेसी सरकार मे मामलों को दबाने की परंपरा रही है। धामी सरकार मे भ्रष्टाचार के लिए किसी कालखंड को देखकर निर्णय नही लिया जा रहा है। पूर्व मे हुई भर्ती गड़बड़ियों पर जिस तरह एक्सन लिया गया उसी तरह से नकल माफिया पर और बड़ा प्रहार किया जायेगा। चौहान ने कहा की आज उपदेश दे रहे कांग्रेस नेता तब अपनी सरकार से जवाब मांगते तो आज नकल माफिया की जड़े गहरी नही होती। चौहान ने कहा कि अंकिता प्रदेश की बेटी है और उसे न्याय दिलाने के लिए सरकार दृढ़ संकल्प है। अदालत की प्रक्रिया का सम्मान है और आरोपी कानून के दायरे मे निश्चित रूप से आयेंगे। जाँच एजेंसी ने पूरी मेहनत और निष्पक्षता से आरोपियों के खिलाफ सुबूत तैयार किये है। फिलहाल अदालत मे विचाराधीन मामले मे कोई तर्क संभव भी नही है।

हरिद्वार पुलिस ने 12 घंटे में खोल दिया फिरौती और हत्या मामले का मामला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। 16 जनवरी , बीती तेरह जनवरी को शिव मंदिर चौक बहादराबाद निवासी प्रेमचन्द ने थाना बहादराबाद मे आकर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनका पुत्र कार्तिक कुमार की रामधाम कालोनी रानीपुर मे अनिका पैथोलॉजी नामक लैब है। उनका पुत्र दिनांक 12.01.2023 को सुबह अपनी पैथोलॉजी मे गया था लेकिन 24 घंटे से ज्यादा होने पर भी वापस नही लौटा।उक्त सम्बन्ध मे प्रार्थनापत्र के आधार पर थाना बहादराबाद में गुमशुदगी दर्ज करते हुए पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा कार्तिक की तलाश के प्रयास शुरु करते ही जानकारी मिली कि कार्तिक के मोबाइल से कार्तिक की मां अंगूरी देवी को एक काल आयी। जिसमे अज्ञात कॉलर द्वारा कार्तिक की मां से कार्तिक की जान सलामती के लिए ₹70 लाख फिरोती देने व इस सम्बन्ध में पुलिस को न बताने की चेतावनी दी गई। उक्त सम्बन्ध में कार्तिक की माता के कथन अन्तर्गत धारा 161 सीआरपीसी व अन्य साक्ष्यों के आधार पर गुमशुदगी को फिरौती के लिए अपहरण में तरमीम करते हुए तत्काल केस दर्ज किया गया।

खुलासे के लिए तत्काल की गई टीमें गठित-

इस सनसनीखेज प्रकरण की जानकारी मिलते ही एसएसपी अजय सिहं ने तत्काल एसपी क्राइम रेखा यादव, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार व सीओ ज्वालापुर निहारिका सेमवाल के साथ बहादराबाद पुलिस व सीआईयू की टीम गठित कर अपराध के जल्द खुलासे के निर्देश दिए। विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही पुलिस टीम को जानकारी मिली कि कार्तिक द्वारा दिनांक 13.01.2023 को कुल तीन ट्रांजेक्शन किये गये। उक्त ट्रांजेक्शन शराब के ठेके, मुरादाबादी बिरयानी सेंटर व कृष्णा ट्रेडर्स से होने की जानकारी मिलते ही सम्बन्धित स्थानों की सीसीटीवी फुटेज टटोलने पर एक लाल जैकेट पहना हुआ स्कूटी सवार लडका मोबाइल बारकोड से पैसे ट्रांसफर करते हुये दिखा। लाल जैकेट पहने लड़के की पहचान पैथोलॉजी लैब मे सेम्पल लेने का काम कर निपेन्द्र के रूप में हुई।

मामले का खुलासा-

सख्ती से पूछताछ करने पर संदिग्ध निपेन्द्र ने लैब मे कार्यरत शहादत अली के साथ हत्या को अंजाम देने की बात स्वीकारते हुए मृतक कार्तिक का शव अभियुक्त शहादत के दादुपुर स्थित किराये के कमरे मे छिपाना स्वीकार किया गया। निपेन्द्र व शहादत को इकबालिया बयान के आधार पर गिरफ्त मे लेकर निशादेही पर किराए के कमरे के बाथरूम से शव बरामद किया गया। मौके पर पहुंची मोबाइल फोरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य एकत्र किये गये।

हत्या के बाद मांगी थी फिरौती-

मृतक की पैथोलॉजी लैब में पिछले 8 माह से उक्त लैब मे सैम्पलिंग का कार्य कर रहे अभियुक्त शहादत अली व पिछले 03 माह से काम कर रहे अभियुक्त निपेन्द्र ने अपनी माता पिता के इकलौते पुत्र मृतक कार्तिक के माता-पिता का लगभग 70 से 80 लाख रुपये का मकान होने की जानकारी मिलने पर सारी वारदात का ताना बाना बुना। अभियुक्तों की योजना चुपके से शव को नाले में बहाकर फिरौती की रकम लेकर नो दो ग्यारह होने का था लेकिन उससे पहले ही हरिद्वार पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। अपहृत कार्तिक की हत्या के बाद अभियुक्तों ने उसका एन्ड्राइड मोबाइल तोड़कर नहर मे फेंक दिया और छोटा कीपैड मोबाइल फिरौती मांगने के लिये प्रयोग मे लाया गया।

थायरॉइड कंट्रोल करने के लिए इन आसान टिप्स को आजमाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जनवरी , हाइपोथाइरॉएडिज्म, हाइपरथायरायडिज्म, थायरॉयडिटिस और हाशिमोटो थायरॉयडिटिस के कुछ सामान्य रूप हैं. थायरॉयड की समस्या किसी को भी प्रभावित कर सकती है लेकिन ऐसा देखा जाता हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायरॉइड (Thyroid) की समस्या ज्यादा मिलती है.जनवरी को हर साल थायरॉइड जागरूकता माह (Thyroid Awareness Month) के रूप में मनाया जाता है. थायरॉइड एक तितली के आकार का ग्लैंड है जो गर्दन के सामने स्थित होता है और हमारे स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती के लिए महत्वपूर्ण हार्मोन का प्रोडक्शन करता है. जब हमारे थायरॉयड ग्लैंड कुछ महत्वपूर्ण हार्मोनों का बहुत अधिक या बहुत कम प्रोडक्शन करती है, तो यह थायरॉइड रोग का कारण बन सकता है. हाइपोथाइरॉएडिज्म, हाइपरथाइरॉएडिज्म, थायरॉयडिटिस और हाशिमोटो थायरॉयडिटिस के कुछ सामान्य रूप हैं. थायरॉयड की समस्या किसी को भी प्रभावित कर सकती है लेकिन ऐसा देखा जाता हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायरॉइड (Thyroid) की समस्या ज्यादा मिलती है. ऐसे में अगर आप भी इसकी शिकार हो चुकी हैं, तो इन 5 टिप्स से आपको मिलेगी मदद.

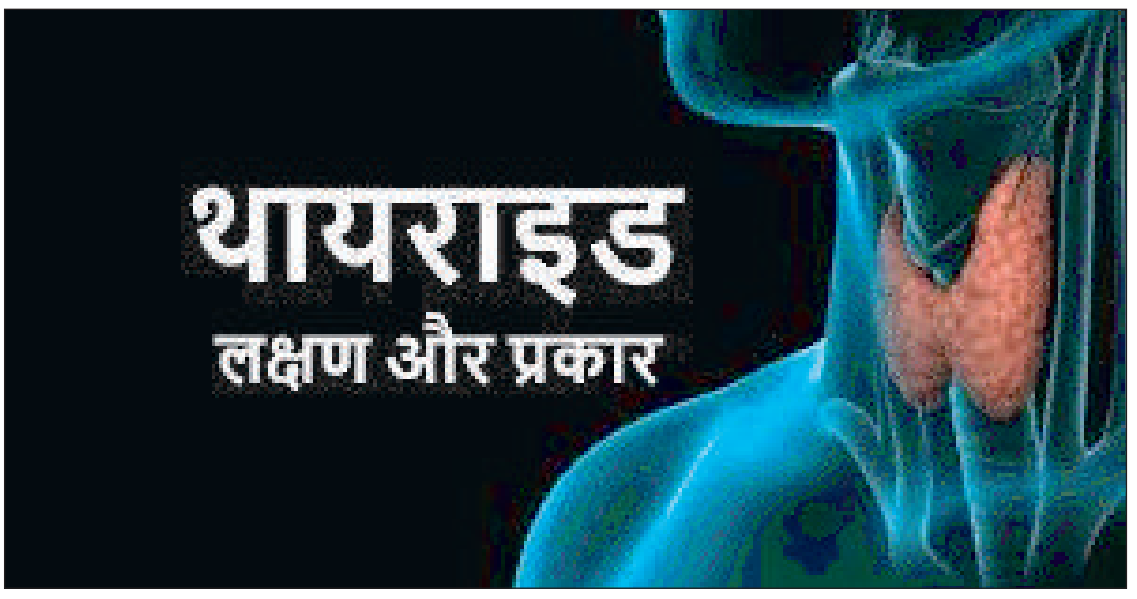

क्या होता है थायरॉइड ?

थायरॉइड (Thyroid Gland) हमारे शरीर का एक बहुत इम्पोर्टेन्ट ग्लैंड है. आजकल इससे जुड़ी प्रोब्लम्स काफी तेजी से फैल रही है. आमतौर पर थायरॉइड की प्रोब्लम महिलाओं को अपना शिकार बनाती है. थायरॉइड की समस्या आपके शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर देती है. इस प्रोब्लम से असामान्य रूप से वजन बढ़ने (Weight Gain) लगता है साथ ही बाल और स्कीन ड्राई (Dry hair and Skin) होने लगती है. इसके साथ घबराहट (Anxiety), नींद न आना (Insomnia), मांसपेशियों में कमजोरी महसूस करना भी थायरॉइड में नजर आने वाले कुछ सामान्य लक्षण (Bad Thyroid Symptoms) है. इन परेशानियों को ध्यान में रखते हुए आज हम लेकर आए हैं थायरॉइड से बचने से कुछ जरूरी उपाय (Tips to Cure Thyroid). तो चलिए जानते हैं इनके बारे में विस्तार से.

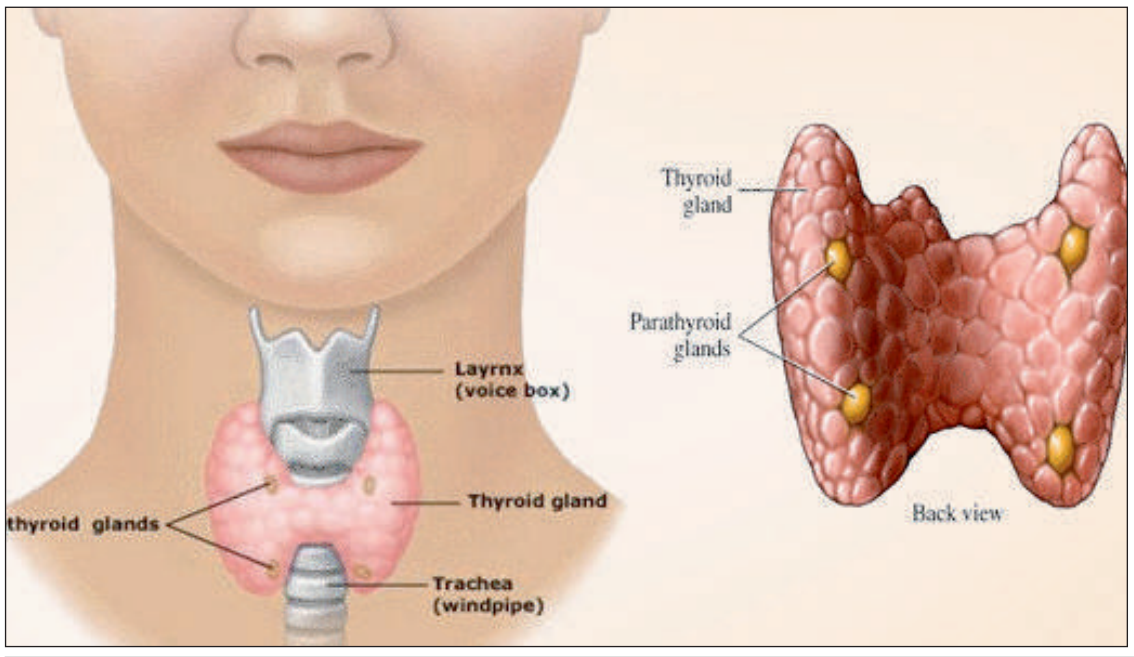

इन चीज़ों से बनाए दूरी

ऐसे खाने से पूरी तरह परहेज रखने की कोशिश करें जिसमें गोइट्रोजेन (Goitrogen) हो. ऐसे कइ खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमे गोइट्रोजेन भारी मात्रा में होता हैं. खासकर सोया प्रोडक्ट (Soya Products) जैसे टोफू (Tofu) साथ ही कुछ सब्जियां जिनमें पत्ता गोभी, ब्रोकली और गोभी शामिल है. वहीं शकरकंद, बेर, स्ट्राबेरी और मूंगफली से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करें, क्योंकि यह प्रोडक्ट्स थायरॉइड की स्थिति को और ज्यादा खराब कर सकते हैं.

इन चीज़ो को खाने से होगा फायदा

शरीर में आयोडीन (Iodine) की कमी थायरॉइड की समस्या का एक बड़ा कारण है. ऐसे में शरीर मे आयोडीन की मात्रा बनाए रखने के लिए डेयरी प्रोडक्ट (Dairy Products) का सेवन करना अच्छा होता है. साथ ही सेलेनियम (Selenium) से भरी चीज़े जैसे कि सनफ्लावर सीड्स (Sunflower Seeds), ब्राउन राइस (Brown Rice) और योगर्ट (Yoghurt) लेना भी जरूरी होता है. हाइपोथाइरॉएडिज्म (Hypothyroidism) की स्थिति में इन खाद्य पदार्थों का सेवन फायदेमंद रहता है.

सचिव आपदा प्रबन्धन डा. रंजीत कुमार सिन्हा ने रविवार को जोशीमठ में औली रोपवे, मनोहरबाग, शंकराचार्य मठ, जेपी कालोनी का स्थलीय निरीक्षण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ , 16 जनवरी , सचिव आपदा प्रबन्धन डा. रंजीत कुमार सिन्हा ने रविवार को जोशीमठ नगर क्षेत्र में पहुंचकर औली रोपवे, मनोहरबाग, शंकराचार्य मठ, जेपी कालोनी आदि भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ भू-वैज्ञानिक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे ।सचिव आपदा प्रबंधन ने औली रोपवे तथा शंकराचार्य मठ के निकट के क्षेत्र तथा घरों में पड़ी दरारों का निरीक्षण किया ।

सचिव डॉ रंजीत कुमार सिन्हा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मकानों मे पड़ी दरारों तथा भू-धंसाव के पैटर्न रूट की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने औली रोपवे के टावर पर दरारों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए । डॉ सिन्हा ने संबंधित अधिकारियों को दरारों के पैटर्न तथा बढ़ोतरी की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा ।उन्होंने जानकारी दी कि राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) हैदराबाद द्वारा प्रभावित क्षेत्र का भु-भौतिकीय अध्ययन किया जा रहा है । एनजीआरआई अंडर ग्राउंड वाटर चैनल का अध्ययन कर रही है । अध्ययन के पश्चात एनजीआरआई द्वारा जियोफिजिकल तथा हाइड्रोलॉजिकल मैप भी उपलब्ध कराया जायेगा। यह मैप जोशीमठ के ड्रेनेज प्लान तथा स्टेबलाइजेशन प्लान में काम आएंगे ।सचिव आपदा प्रबंधन डॉ रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि भू-धंसाव से प्रभावित जोशीमठ क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की दिशा में हम कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं। प्रभावित लोगों को त्वरित राहत एवं बचाव पहुंचाना राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रभावित परिवारों को तात्कालिकता के साथ सुरक्षित स्थानों में भेजा जा रहा है। प्रभावित भवनों के चिन्हीकरण का कार्य निरन्तर जारी है। भूवैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों की टीमें भूधसांव के कारणों की जांच के कार्य में लगी है। प्रशासन प्रभावितों के निरन्तर सम्पर्क में है। राहत शिविरों में उनकी मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि सीबीआरआई, आईआईटी रुड़की, वाडिया इन्सटीयूट, जीएसआई, आईआईआरएस तथा एनजीआरआई जोशीमठ में कार्य कर रही है ।

दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संस्थापक व संपादक दिलशाद एस. खान महाराष्ट्र गौरव अवॉर्ड से हुए सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुंबई 16 , जनवरी चौदा वर्ष पूर्व अमरदीप दैनिक की शुरूवात , की गई थी, और गुरुवार 12 जनवरी 2023 को मुंबई के कांदिवली में मनाया गया अखबार का 14वां वर्धापन दिन। आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रामकुमार पाल की सहायता से महाराष्ट्र भर से चुने गए 100 से अधिक समाज सेवी, व्यापारी, पुलिस कर्मी, वकील, संपादक, पत्रकार, डॉक्टर, फिल्म एवं संगीत क्षेत्र से जुड़ी व्यक्ति विशेष को महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फिल्म, टेलीविजन से जुड़ी हस्तियां, डॉक्टर्स इंजीनियर, कला जगत, संपादन, पत्रकारिता, न्यायिक व्यस्था से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री रामकुमार पाल जी एवं पुनीत ईसार जी द्वारा निर्मित नाटक रामायण का पूर्व दर्शन उपस्थित मेहमानो के सामने प्रस्तुत किया गया। संपादन क्षेत्र में अपने निरपक्ष संपादन एवं पत्रकारिता के लिए दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संस्थापक संपादक दिलशाद एस. खान को महाराष्ट्र गौरव अवॉर्ड पुनीत इस्सर , संगीतकार दिलीप सेन एवं अभिजीत राणे के हाथों से दिया गया। दिलशाद एस. खान साहेब के साथ साथ भारतीय जनता पार्टी प्रकोष्ठ उत्तर मुंबई गुजराती विभाग के संयोजक एवं तारा माँ चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष धर्मेश जोशी को उनके महिला सशक्तिकरण के कार्यों के लिए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अजय दुबे को अपने नारी सीक्षा के कार्यों के लिए, नारी सम्मान संगठन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर , पी. वी लीगल के एडवोकेट स्वाति पंड्या को विवाहों के विलय को बचाने के लिए और तुलसी आर्ट गैलरी के संचालक यश जोशी जी को अपने राज्य राजस्थान की पौराणिक कला को घर घर पहुंचाने के लिए महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पशुलोक विस्थापित राजस्व ग्राम घोषित, जनता ने दिया मंत्री अग्रवाल को श्रेय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 16 जनवरी , पशुलोक में विस्थापित परिवारों को भूमिधरी के भू अभिलेख तैयार करने के लिए तहसील प्रशासन ने प्रत्येक काश्तकार को रसीदें वितरित की। इससे काश्तकारों को अब अभिलेख तैयार कर खातेदार बनाया जाएगा। इस मौके पर विस्थापित जन कल्याण समिति पशुलोक के प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल का आभार प्रकट किया। समिति के सचिव प्रताप सिंह राणा ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक डा. प्रेमचंद अग्रवाल की बदौलत पशुलोक को उनका अधिकार मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष और मंत्री डा0 अग्रवाल के सहयोग के बाद आज पशुलोक विस्थापित राजस्व ग्राम घोषित हुआ है। उन्होंने कहा कि पशुलोक विस्थापित राजस्व ग्राम घोषित होने के बाद अब भूमिधरी अधिकार की प्रक्रिया भी आरंभ हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में तहसील स्तर से एक एक्सपर्ट की टीम क्षेत्र में दस्तावेज तैयार करने हेतु सर्वे किया। अब दूसरे चरण में विस्थापित परिवारों को भूमिधरी के भू अभिलेख तैयार करने के लिए तहसील प्रशासन ने प्रत्येक काश्तकार को रसीदें वितरित की गई। इस मौके पर प्रताप सिंह राणा, प्रताप सिंह पंवार, दिनेश बहुगुणा, राजेंद्र तड़ियाल, पूर्ण सिंह खरोला, धर्म सिंह तड़ियाल, रमेश नेगी, महावीर नेगी, सज्जन सिंह तड़ियाल, भीम सिंह पंवार, सर्वे कानूनगो हसीन अहमद, सुशील बिजल्वाण, अरुण रतूड़ी, जगदम्बा सेमवाल, बलवीर रावत, प्रताप सिंह पंवार, राम सिंह राणा, दिनेश डोभाल, विजय बिष्ट, दाता बिजल्वाण, रघुनाथ चौहान, सुरेंद्र सिंह राणा, नरेंद्र सिंह राणा आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

रिमोट वोटिंग एक सराहनीय पहल

चुनाव में वोट डालने के लिए रिमोट वोटिंग इवीएम एक ऐसी मशीन होगी, जिसमें एक ही मशीन में लगभग 78 विधानसभा या लोकसभा क्षेत्रों के लिए एक ही साथ वोट डाले जा सकेंगे. जिस विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र में चुनाव होते हैं, उसमें जो अभी मशीन इस्तेमाल की जाती है, उसमें उसी क्षेत्र के लिए वोट डाले जा सकते हैं, पर रिमोट इवीएम में अलग-अलग क्षेत्रों के लिए कहीं से भी वोट डाले जा सकेंगे. मान लें कि अगर चुनाव बिहार में हो रहे हैं और यह मशीन दिल्ली में रखी होगी, तो यहां रह रहे लोग उस मशीन से अपने विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र के लिए वोट डाल सकते हैं. रोजगार और शिक्षा के लिए भारत में बहुत से लोग एक जगह से दूसरी जगह आते-जाते रहते हैं. ऐसा देखा जाता है कि काफी लोग दूसरी जगह मतदाता सूची में नाम नहीं डलवाते. बहुत से लोग कुछ समय के लिए पलायन करते हैं, तो वे इसकी जरूरत भी नहीं समझते एक सामान्य अनुमान है कि हमारे देश की 15-20 प्रतिशत आबादी ऐसे मतदाताओं की है, जो एक जगह से दूसरी जगह आती-जाती है. इसे हम आंतरिक प्रवासी कहते हैं. ऐसे लोगों के वोट डालने की गुंजाइश बहुत कम होती है. अगर उन्हें वोट डालना है, तो उस दिन उन्हें अपने गांव या कस्बे जाना पड़ता है. ऐसा कर पाना सभी के लिए संभव नहीं है. इस समस्या के समाधान के लिए निर्वाचन आयोग ने रिमोट इवीएम का प्रस्ताव सामने रखा है. अगर यह मशीन कामयाब होती है और इसके इस्तेमाल के लिए राजनीतिक दलों की सहमति बनी, तो मतदान के लिए इच्छुक लोगों के सुविधा हो जायेगी. इस संबंध में एक अहम सवाल तकनीक से जुड़ा है कि क्या ऐसी अच्छी मशीन बनायी जा सकेगी, जिसमें कई क्षेत्रों के लिए एक साथ वोट डाला जा सकता है. मुझे लगता है कि आज तकनीक का बहुत अधिक विकास हो चुका है और इस तरह की मशीन बनाना कोई मुश्किल काम नहीं होना चाहिए. लेकिन इसमें स्पष्टता की जरूरत है. जब हम इस मशीन से वोट डालेंगे, तो इसकी गिनती कैसे और कहां होगी, यह एक प्रशासनिक चुनौती हो सकती है. मुझे लगता है कि जनता को इस मशीन पर भरोसा इतनी जल्दी शायद नहीं हो क्योंकि आम मतदाताओं में यह दुविधा रहेगी कि उनका वोट उनके अपने क्षेत्र में गया या नहीं. उसकी गिनती कहां होगी और किसके द्वारा होगी, इसको लेकर भी मतदाताओं में संशय हो सकता है. अभी तो जब हम वोट डालते हैं, उसकी गिनती सामने आ जाती है. इस भरोसे के लिए कुछ समय लग सकता है.

डीएम सोनिका पेश कर रही मिसाल जोशीमठ रवाना हुई राहत सामग्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,16 जनवरी , जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशों के अनुपालन में जिला आपदा परिचालन केन्द्र देहरादून से जोशीमठ भूधसाव क्षेत्र के विस्थापित परिवारों एवं जरूरतमंदो को रसद सामग्री लेकर दो वाहन रवाना किया।

जनपद पानीपत से कुल 3000 कम्बल प्राप्त हुए जिसके क्रम में 850 कम्बल एवं डिवाईन लाइट ट्रस्ट, रीकवान्स रीज बालगंज, मसूरी के माध्यम से प्राप्त बॉडी केयर (धमर्लस) 01 बॉक्स जनपद देहरादून से जिला चमोली भेजे जा रहे हैं। शेष कंबल कलेक्शन सेंटर में रखे गए हैं।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के के मिश्रा ने बताया कि जनपद चमोली के जोशीमठ शहर, भूधसाव से आवासीय घरों में आ रहे

दरारों के कारण सुरक्षा के दृष्टिगत वहां रह रहे परिवारों एवं लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया गया है। जिला प्रशासन देहरादून विस्तापित परिवारों एवं जरूरतमंदो के लिए राहत सामग्री में 850 कंबल, 1बॉक्स बॉडी केयर थर्मल जनपद चमोली भेजे गए।

सुरक्षित यातायात सबकी सामूहिक ज़िम्मेदारी : युगल किशोर पंत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सितारगंज 16 जनवरी , जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने 33वे सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत अमरिया चौक सितारगंज में पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मानवीय लापरवाही के कारण सड़क दुर्घटनाएं एक अभिशाप के रूप में सामने आ रही है उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को पूर्ण तरह से जागरूक एवं सचेत रहकर तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए अंकुश लगाया जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी व्यक्तियों को यातायात नियमों का शत-प्रतिशत पालन करना चाहिए ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि अपनी आंखों की जांच अवश्य कराएं और अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान दें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षित परिवहन राष्ट्र एवम नागरिकों की प्रगति के लिये जरूरी है, यातायात को सुरक्षित एवं सुगम बनाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तेज गति, अधिक भार, नशे में वाहन चलाना, माल वाहकों में सवारी ढोना, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग व यातायात संकेतों का उल्लंघन वाहन दुर्घटनाओं का मूल कारण हैं, इन सभी कारणों को ध्यान में रखकर ड्राइविंग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चौपहिया वाहन चलाते सीट बैल्ट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि दो पहिया वाहन में सवार व्यक्तियों को उच्च गुणवत्ता के हैलमेट पहनें और तीन सवारी कतई न बैठायें। उन्होंने कहा कि यातायात डियूटी में नियुक्त पुलिस कर्मियों को यातायात नियन्त्रण में सहयोग करें और मोड़ों पर वाहन चलाते समय हार्न का प्रयोग करें एवं वाहन को निर्धारित गति सीमा में रखें। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने दें, अपने लाडले को प्यार दो, बाईक नहीं।

जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्घटना होने की स्थिति में घायल व्यक्ति की हर संभव मदद करें एवं आपातकालीन नम्बरों पर सूचना दें। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार पुलिस द्वारा इन व्यक्तियों से अनावश्यक पूछताछ नहीं की जायेगी । इस दौरान उप जिलाधिकारी तुषार सैनी, डॉ.सुदीप सक्सेना, उप निरीक्षक विनोद फर्त्याल, महेश चंद्र, के.शर्मा सहित क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी
कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित।
फ़ोन : 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406
E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com
YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

चम्पावत से मुख्यमंत्री का निर्देश बजट का ठीक तरह से उपयोग हो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत , 16 जनवरी , चंपावत जिले के भ्रमण पर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चंपावत के विकास हेतु कुल 87.28 करोड़ रुपये की 19 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विधानसभा चम्पावत हेतु 4469.35 लाख रुपए की 11 योजनाओं का शिलान्यास तथा 258.15 लाख रुपए की 01 योजना का लोकार्पण किया। विधानसभा लोहाघाट हेतु 779.45 लाख रुपए की कुल 4 योजनाओं का शिलान्यास एवं 3321.13 लाख रुपए की 3 योजनाओं का लोकार्पण किया। हरेला क्लब टनकपुर द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिग मेले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास हेतु विभिन्न घोषणाएं की। जिसमें टनकपुर व बनबसा क्षेत्र के आंतरिक मार्गों का हॉट मिक्स के द्वारा सुधारीकरण किया जाएगा। राज्य मार्ग संख्या 109 सुखीढांग धुरा रीठासाहिब के ब्रजनगर तालियाबांज प्रभाग पर एवं राज्य प्रभाग संख्या 110 सुखिढांग श्यामलाताल मार्ग पर हॉटमिक्स के द्वारा रोड का सुधारीकरण किया जाएगा। ललुवापानी बनलेख प्रस्तावित राज्यमार्ग का हॉटमिक्स के द्वारा सुधारीकरण किया जाएगा तथा ठीक प्रकार से इसका पुनर्निर्माण का कार्य किया जाएगा। चम्पावत विधानसभा के आंतरिक सम्पर्क मार्गों का हॉट मिक्स के द्वारा सुधारीकरण का कार्य किया जाएगा। टनकपुर गांधी मैदान में कम्युनिटी हॉल का निर्माण किया जाएगा।

मेले के शुभारंभ अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्तरायणी पर्व की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिए विशेष महत्व रखता है। आज के दिन भगवान सूर्य के उत्तरायण में आने से एक बेहतर शुरुआत होती है। हमारे जीवन में उत्साह एवं शक्ति प्राप्त होती है। इसी उत्साह एवं शक्ति से हम राज्य के विकास में हम आगे बढ़ेंगे।

हरेला क्लब द्वारा लगातार उत्तरायणी कौथिग का आयोजन किया जा रहा है। यह संस्था हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। इसी प्रकार हरेला पर्व जो हमारे पर्यावरण का प्रतीक है आज पूरे राष्ट्र के वैज्ञानिक व जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों द्वारा इस हरेला पर्व के महत्व को समझा दिया है कि यह हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे योग को अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलाई है। आज हमारे सभी धार्मिक स्थल विकास की ओर अग्रसर हैं। केदारनाथ, बद्रीनाथ का मास्टर प्लान तैयार कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। स्वदेश दर्शन में चम्पावत जिले के गोरखनाथ, मां वाराही, मां पूर्णागिरि धाम आदि धार्मिक स्थानों को विकसित करने का प्रस्ताव भारत सरकार में भेजा गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नमामि गंगे, निर्मल गंगा अभियान सहित अनेक अभियान चल रहे हैं। नमामि गंगे अभियान के अतंर्गत मां शारदा नदी को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत शारदा नदी में सम्मिलित होने वाले नदी नालों में एसटीपी लगाने का प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे।

सीएम ने कहा कि विकास कार्य धन की वजह से नहीं रूकेंगे। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के विकास हेतु बेहतर योजनाएं बनाएं। चंपावत को मॉडल जिला बनाए जाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और सरकार के सभी विभागों को इस काम में लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टनकपुर को अन्य बड़े शहरों से रेल सुविधा से जोड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क मार्गों को ठीक किया जा रहा है। टकनपुर सितारगंज टू लेन को फोर लेन बनाने को केंद्रीय परिवहन मंत्री से वार्ता की गई है। सीएम ने कहा कि आंधी आए या तूफान नहीं रुकेगा विकास का यह अभियान। यह विकास का रथ अब नहीं रूकेगा। उत्तराखंड राज्य 2025 तक देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाएगा। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी जिस तरह पहाड़ का एक द्वार है उसी तरह टनकपुर भी एक द्वार है। जिसका चहुमुंखी विकास किया जाएगा।

इस अवसर पर हरेला क्लब की महिला विंग ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया व छोलिया दल द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा क्लब की महिला सदस्यों के स्टॉल में जाकर पहाड़ी व्यंजनों का भी स्वाद चखा तथा पुनः सभी को मकर संक्रांति की बधाई दी।

मुख्यमंत्री धामी ने जिलाधिकारी से कहा कि बजट का ठीक तरह से उपयोग हो। बस टर्मिनल में अधिक से अधिक सुविधाएं हों,बच्चों के मनोरंजन के साथ ही विभिन्न सुविधाएं यहां पर हो इसके लिए इसकी डिजाइन अच्छे आर्किटेक्ट से तैयार किए जाए। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि शारदा घाट पर बेहतर व्यवस्था की जाय। अधिक से अधिक श्रद्धालु यहां आएं, जिससे लोगों को रोजगार मिले और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि बस टर्मिनल के बनने के बाद लोग मां पूर्णागिरि के दर्शन कर वापस नहीं जाएंगे। बल्कि वह अन्य स्थानो पर घूमने के बाद मां शारदा की आरती कर अपने घरों को लौटेंगे। वहीं आने वाले समय में मां पूर्णागिरि में श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार की छापेमारी जारी, मसूरी में नदारद कर्मियों में हड़कंप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/मसूरी , 16 जनवरीअपनी खास शैली के लिए अलग पहचान रखने वाले सीनियर आईएएस और प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने एक बार फिर अपनी विजिट से सबको सरप्राइज कर दिया , मसूरी की ठंडक में भी उन स्वास्थ्य कर्मियों को पसीना आ गया जो लापरवाही की जद में पकड़े गए और वो जो नदारद दिखे। मसूरी उप जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे स्वास्थ्य सचिव ने उप जिला चिकित्सालय में अवयवस्था और गंदगी देखकर जमकर संबधित अधिकारियों को फटकार लगाई व अस्पताल में नियुक्त डाक्टर और कर्मचारियों की अनुस्थिति पर सीएमएस से जबाब तलब किया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को अस्पताल में तैनात डॉक्टर ओर कर्मचारियों को बिना सीएमओं के अनुमति के अवकाश न जाने के निर्देश दिये। सचिव द्वारा अस्पताल में एमरजैंसी रूम, डॉक्टर कक्ष, आईसीयू, सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड एक्स-रे आदि की सुविधा को जांच किया गया। इस मौके पर उन्होंने डीजी हेल्थ उत्तराखंड को फोन पर निर्देश दिए कि वह तत्काल मसूरी में रहकर मसूरी के उप जिला चिकित्सालय की सभी कमियों को दूर कर अस्पताल में स्टाफ की कमियों को दूर करे। वह साफ सफाई को लेकर भी विशेष प्रबंध किया। उन्होंने अस्पताल में पैरामेडिकल और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की कमी को दूर करने को लेकर भी सीएमओ देहरादून को निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सचिव डॉ राजेश कुमार ने कहा कि उनके द्वारा लगातार उत्तराखंड के विभिन्न अस्पतालों का समय-समय पर निरीक्षण कर वहां की कमियों को दूर करने की कोशिश की जाती है जिससे कि प्रदेश की जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा हाल में ही जिला रुद्रप्रयाग और चमोली जिले का स्वास्थ सुविधाएं और अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। अस्पताल में पैरामेडिकल और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की कमियां को देखते हुए प्रदेश को 800 से ज्यादा नर्स मिलने जा रही है जिसका लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा मसूरी के उप जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया जहां पर उनको कई खामियां भी मिली है मैं अस्पताल को व्यवस्थित तरीके से कैसे संचालित किया जाए जिसको लेकर भी कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि मसूरी के उप जिला चिकित्सालय को लेकर उनके द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को तलब किया गया है और जल्द बैठक कर अस्पताल को संचालित करने में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिये व स्वास्थ्य सुविधाओं को व्यवस्थित किए जाने को लेकर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मसूरी के उप जिला चिकित्सालय में स्टाफ की कमी तो है ही परंतु अस्पताल मे तैनात है वह भी रेगुलर तरीके से अपनी ड्यूटी नहीं आ रहा है जो चिंता का विषय है। जिसको लेकर जल्द एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि मसूरी के अस्पताल में तैनात डॉक्टरों में सात डाक्टर पीएचडी करने के लिए गए हैं। वह उन डॉक्टरों की भरपाई को लेकर भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल को बेहतर किए जाने को लेकर अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन, एक्स-रे, आईसीयू की सुविधा आईसीयू उपलब्ध है जिनको व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिये भी कार्य योजना तैयार की जायेगी। उन्होने कह कि अस्पताल में एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि जोशीमठ की आपदा को लेकर सरकार सभी प्रभावित लोगों की बेहतर मदद कर रही है वहीं स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा रोटेशन बेसिस में 26 डॉक्टरों की तैनाती की गई है।

अस्पताल में अव्यवस्था और गंदगी को लेकर जताई नाराजगी

वह दो मनोविज्ञानी चिकित्सक भी जोशीमठ में तैनात किये गए है जिससे कि आपदा में मानसिक रूप से ग्रस्त लोगो की काउंसलिंग किया जा सके। वही डायरेक्टर गढ़वाल को जोशीमठ पर नियुक्त कर दिया गया है जो लगातार जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर स्वास्थ सुविधाओं का बेहतर कर रहे है। उन्होंने कहा कि जोशीमठ में सभी प्रकार की दवाइयां उपलब्ध है व जिला प्रशासन के संपर्क में है और अगर किसी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं में दिक्कत होगी तो तत्काल दिक्कतों का निवारण किया जाएगा। सचिव डॉ राजेश कुमार ने कहा ऐसा लग रहा है कि मसूरी में तैनात डॉक्टर ओम ओनरशिप की भूमिका नहीं निभा रहे हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने कहा कि कोई भी अस्पताल को चलाने के लिए वहां पर तैनात अधिकारियों को अपनी अहम भूमिका निभानी चाहिए जिससे कि सीमित संसाधनों में बेहतर तरीके से अस्पताल को चलाया जा सके और लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं उपलब्ध हो सके।

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद ने राजकोट गुजरात में आयोजित किया दो दिवसीय ''अल्टीमेट उत्तराखंड'' कार्यक्रम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून. 16 जनवरी , उत्तराखंड में पर्यटन के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करने और गुजरात के निवासियों के साथ जुड़ने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) ने गुजरात शहर के राजकोट में क्रिस्टल मॉल में ''अल्टीमेट उत्तराखंड" थीम पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया। यूटीडीबी की ओर से इस कार्यक्रम में सुमित पंत, निदेशक (विपणन एवं प्रचार) और कमल किशोर जोशी, जनसंपर्क अधिकारी शामिल हुए।

गुजरात एक पसंदीदा राज्य रहा है क्योंकि यह उत्तराखंड में आने वाले पर्यटकों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहता है। रिकॉर्ड किए गए अनुमानों के अनुसार, उत्तराखंड में कुल घरेलू पर्यटकों में गुजरात का हिस्सा लगभग 10 प्रतिशत है।क्रिस्टल मॉल में दिन भर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में तात्कालिक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तराखंड के यादगार लम्हे, हस्तनिर्मित पेंटिंग, बाल मिठाई (उत्तराखंड की प्रसिद्ध मिठाई) आदि शामिल थे।सुमित पंत, निदेशक (विपणन एवं प्रचार) ने राजकोट वासियों को बताया कि पहाड़ों और नदियों की एक रहस्यमय भूमि, उत्साहजनक साहसिक गतिविधियां, वेलनेस और योग, उत्तराखंड में हर यात्री के लिए कुछ न कुछ है। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय रूप से देवभूमि, या देवताओं की भूमि के रूप में जाना जाता है, राज्य में दो मुख्य क्षेत्र शामिल हैं गढ़वाल और कुमाऊं। राज्य में नैनीताल, मसूरी, कॉर्बेट नेशनल पार्क,

औली जैसे गंतव्य और केदारनाथ, बद्रीनाथ, ऋषिकेश व हरिद्वार जैसे तीर्थस्थल मौज-मस्ती और धार्मिक आगंतुकों दोनों के लिए समान विकल्प प्रदान करते हैं। ऋषिकेश में गंगा में रिवर राफ्टिंग और टनकपुर में शारदा नदी, केदारकांठा और चंद्रशिला जैसी कुछ आकर्षक चोटियों की ट्रेकिंग, औली की कुछ सुरम्य ढलानों के माध्यम से स्कीइंग, पंचेश्वर और नंधौर वन्यजीव अभयारण्य में बर्डवॉचिंग, केबल-कार की सवारी या हिमालय के सम्मोहक दृश्यों में भीगना, उत्तराखंड सभी के लिए एक स्वप्निल गंतव्य है।